"केवल हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अध्यापकों एवं छात्रों के उपयोग हेतू"

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय

आंतरिक गुणवत्ता आश्वस्तता प्रकोष्ठ
शिमला–171005

छात्रों द्वारा अध्यापक मूल्यांकन हेतु प्रतिपुष्टि पत्र

नोट : यह प्रतिपुष्टि पत्र विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों को पढ़ने वाले विद्यार्थियों से अध्यापकों के अध्यापन का मूल्यांकन करने के लिये तैयार किया है ताकि अध्ययन अध्यापन के वातावरण की गुणवता को सुदृढ़ किया जा सके और अध्यापक की कक्षा में विद्यार्थियों से संवद्ध कार्य को सुधारने के अवसरों को खोजा जा सके और उत्कृष्टता लाई जा सके।

विभाग/संस्थान..... कक्षा.....सत्र..... सेमिस्टर.....
अध्यापक का नाम..... पढ़ाया गया विषय और कोर्स संख्या.....
पूर्ण सत्र/सैमिस्टर में अध्यापक द्वारा दिए गए कुल व्याख्यान .....
इस प्रश्नावली को भरने वाले छात्र की पढ़ाये जाने वाले विषय की प्रतिशत सहित कक्षा में उपस्थिति.....
.....

(अगर आपकी कक्षा में उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम है तो कृप्या इस प्रतिपुष्टि पत्र को न भरें।)

निम्न तालिका में प्रत्येक बिन्दु के लिये उचित निर्धारण या मूल्यांकन पर ✓ करें।

मूल्यांकन ⇨ / विषय ⇩		सामान्य से कम 1	सामान्य 2	अच्छा 3	बहुत अच्छा 4	श्रेष्ठ 5
(क) समय विवेक						
1.	कक्षा में समय निष्ठा/समय पालन					
2.	कक्षाओं को नियमित रूप से लेना					
3.	कक्षा में छात्रों की उपस्थिति/ हाजरी					
4.	पाठ्यक्रम को समयबद्ध रूप से पूर्ण करना					
5.	अध्यापक द्वारा नियत समयानुसार क्लास टैस्ट, Assignment, quizzes और सेमिनार का करवाना					
6.	अपनी अनुपस्थिति की स्थिति में कक्षा संचालन का प्रबन्ध करना					
जोड़ (क) 1 से 6 ऊपर से नीचे						
(ख) विषय प्रभुत्व						
7.	पाठ्यक्रम/पाठ्य चर्चा/पाठ्य विवरण पर ध्यान संकेद्रण					
8.	पढ़ाते समय आत्म विश्वास और तैयारी					
9.	विषय के उल्लेख में स्पष्टता तथा व्यक्तता कौशल					
10.	कक्षा में सफल वाद–विवाद का संचालन					
11.	विषय वस्तु को प्रभावित तरीके से पढ़ाना					
12.	कक्षा में संरचनाबद्ध व्याख्यान देना					
13.	विषयवस्तु को छात्रों की रूचि और जीवन के अनुभव के साथ जोड़ना					
14.	कौशलपूर्ण तरीके से पढ़ाये जाने वाले विषय में हाल में हुई प्रगति से अवगत कराना					
जोड़ (ख) 7 से 14 ऊपर से नीचे						
(ग) अध्यापन विधि/अध्यापन साधनों का उपयोग						
15.	सहायक अध्यापन साधनों का प्रयोग (श्यामपट्ट/ओवर हैड प्रोजेक्टर/पावरप्वांइट प्रस्तुति)					

मूल्यांकन ⇨ / विषय ⇩		सामान्य से कम 1	सामान्य 2	अच्छा 3	बहुत अच्छा 4	श्रेष्ठ 5
16.	श्यामपट पर लिखित अक्षरों की स्पष्टता, दृश्यता एवं बनावट संबंधी कार्य					
17.	नवाचार युक्त अध्यापन तरीकों का प्रयोग (मूल्यांकन उपकरणों / Clickers / Projects/ Assignment/Seminars etc.)					
18.	क्लास टेस्ट / सैशनल टैस्ट के होने के बाद विद्यार्थियों के साथ उत्तर सांझा करना					
19.	जाँच की हुई उत्तर पुस्तिकाओं को विद्यार्थी को दिखाना					
20.	निश्चित करना कि उसे विद्यार्थी समझ रहा है					
	जोड़ (ग) 15 से 20 ऊपर से नीचे					
(घ) सहायता प्रवृत्ति						
21.	विविध शैक्षणिक रूचि के छात्रों की सहायता करना					
22.	जो स्टडी मैटिरियल उपलब्ध पाठ्य पुस्तकों में नहीं मिलता उन्हें, (ई–रिसोर्स, सन्दर्भ पुस्तकों, ई–जर्नल, ओपन कोर्स वेयर) द्वारा उपलब्ध कराना					
23.	विविध संस्कृति एवं सामाजिक पृष्ठभूमि वाले छात्रों की एक समान सहायता करना					
24.	दोनों लिंगों के विद्यार्थियों की एक समान सहायता करना					
25.	शारीरिक, भावनात्मक और सीखने की चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों में छात्रों की सहायता					
26.	व्यवसायिक योग्यताओं के गुणों को विकसित करने में छात्रों की सहायता करना					
27.	जीविकोपार्जन लक्ष्य को इंगित करने और मूर्तरूप करवाने में छात्रों की सहायता करना					
28.	छात्रों को उनकी क्षमताओं और विकासात्मक जरूरतों के प्रति जागरूक बनाने में मदद करना					
	जोड़ (घ) 21 से 28 ऊपर से नीचे					
(ङ) प्रयोगशाला में अन्तःक्रिया **(केवल प्रायोगिक विषय के सन्दर्भ में ही भरें)**						
29.	प्रयोगशाला में प्रयोग पुस्तिका / लॉग पुस्तिका की नियमित जाँच करना					
30.	प्रयोगशाला के लिए तय समय में पूरी अवधि के लिए उपलब्ध रहना					
31.	प्रयोगशाला में निर्देश दे कर या प्रदर्शन प्रस्तुत कर प्रयोग करने में मदद करना					
32.	प्रयोग से संबंधित विषय वस्तु के अध्ययन में मदद करना					
33.	प्रयोग को सम्पन्न करने में खुली सम्पन्नता का दृष्टिकोण अपनाना					
34.	प्रयोगशाला संबंधित सैमिनार, समूह संवाद आदि में रूचि					

मूल्यांकन ⇨ / विषय ⇩		सामान्य से कम 1	सामान्य 2	अच्छा 3	बहुत अच्छा 4	श्रेष्ठ 5
	जोड़ (ङ) 29 से 34 ऊपर से नीचे					
(च) नियन्त्रण कौशल						
35.	कक्षा संचालन क्षमता					
36.	कक्षा में छात्रों की भागीदारी					
37.	छात्रों के अनुपयुक्त व्यवहार का निरोध करने में सफलता					
38.	विद्यार्थियों को विषयवस्तु पर राय और प्रश्न पूछने के लिये आमंत्रित करना					
39.	विवेक अनुसार प्रबलीकरण करवाना					
40.	नैतिक मूल्यों के आचरण के लिए छात्रों को प्रेरित करना					
41.	अनुकरणीय व्यक्ति के रूप में व्यवहार करना					
	जोड़ (च) 35 से 41 ऊपर से नीचे					
	कुल जोड़ (क+ख+ग+घ+ङ+च)					

अतिरिक्त टिप्पणी : ....
....
....
....
....

– –

(इस रेखा के साथ–साथ काटें और प्रतिपुष्टि पत्र से अलग कर जमा करें)

छात्र का नाम :...विभाग/संस्थान का नाम.......................................
अध्यापक का नाम जिसकी प्रतिपुष्टि की गई...
अध्यापक द्वारा पढ़ाया जाने वाला विषय एवं कोर्स संख्या..
सत्र..कक्षा ....सेमिस्टर.............................रोल नं०...
तिथि..

छात्र/छात्रा के हस्ताक्षर